

कलेक्टर लेंगे उच्च स्तरीय बैठक

छात्रावास के खाने में इल्ली, 7 नमूने लिए



मृदुभाषी। गोपाल

पंचशील नगर स्थित शासकीय कन्या महाविद्यालय के छात्रावास के भोजन में इल्ली मिलने की गंभीर शिकायत के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए औचक जांच की है। अधिकारियों ने रसोईघर और खाद्य सामग्री का बारीकी से निरीक्षण कर प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए कुल सात नमूने (सैंपल) एकत्र किए हैं। इन सभी नमूनों की प्रयोगशाला रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार, 11 अक्टूबर को किए गए निरीक्षण के दौरान रसोईघर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक पाई गई और खाद्यान्न सामग्री भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध मिली।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने विभिन्न खाद्य पदार्थों के सात नमूने जांच के लिए सील किए हैं। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि भोजन में इल्ली मिलने की शिकायत की वास्तविकता क्या थी, इसकी अंतिम स्थिति प्रयोगशाला (लैब) की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगी। जांच के दौरान अधिकारियों ने छात्रावास की छात्राओं से सीधे संवाद किया। इस चर्चा के दौरान भोजन के अलावा कई अन्य समस्याएं भी

खुलकर सामने आईं, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं। पीने के पानी की व्यवस्था को लेकर छात्राओं ने अपनी बात रखी। हॉस्टल के कमरों और परिसरों में साफ-सफाई के स्तर को बेहतर बनाने की मांग की गई। छात्रावास के चौकीदारों के व्यवहार और प्रबंधन के संवाद को लेकर भी छात्राओं ने अपनी परेशानियाँ साझा कीं। इन सभी बिंदुओं को गंभीरता से लेते हुए छात्रावास की वार्डन मनीषा चौधरी को खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, रसोईघर की नियमित साफ-सफाई और भोजन की गुणवत्ता को उच्च स्तर पर बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

12 अक्टूबर को होगी उच्च स्तरीय बैठक

छात्रावास में भोजन की गुणवत्ता और अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं से जुड़े गंभीर मुद्दों पर त्वरित निर्णय लेने के लिए 12 अक्टूबर को कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में सहायक आयुक्त, आदिवासी कल्याण विभाग प्रशांत आर्य को भी उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में छात्राओं द्वारा उठाई गई समस्याओं के स्थायी समाधान और आगे की प्रशासनिक कार्रवाई पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

त्योहारी सीजन में रेलवे की सौगात

भोपाल मंडल से चलेंगी 3 विशेष ट्रेनें

भोपाल। दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पर्व के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली भारी भीड़ और यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने भोपाल मंडल से होकर तीन विशेष (स्पेशल) ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। इन विशेष ट्रेनों में रानी कमलापति-दानापुर, रीवा-रानी कमलापति और रीवा-डॉ. अंबेडकर नगर स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं।

यात्रियों की अत्यधिक मांग को देखते हुए रेलवे ने इस रूट पर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल 12 अक्टूबर से 16 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को चलेगी। यह रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 2:25 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 9:15 बजे दानापुर पहुँचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01668 दानापुर-रानी कमलापति स्पेशल 13 अक्टूबर से 17 नवंबर तक



प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को संचालित होगी। यह दानापुर से सुबह 11:20 बजे छूटकर अगले दिन सुबह 10:50 बजे रानी कमलापति पहुँचेगी। दोनों दिशाओं में इस ट्रेन के 11-11 फेरे होंगे। इस ट्रेन का ठहराव भोपाल, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, गंजबासौदा, बीना, नर्मदापुरम और इटारसी सहित निर्धारित मार्ग के प्रमुख स्टेशनों पर रहेगा। विन्ध्य क्षेत्र के यात्रियों को राजधानी भोपाल से जोड़ने के लिए सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़ाए गए हैं। गाड़ी संख्या 02192 रीवा-रानी कमलापति सुपरफास्ट स्पेशल 17 और 24 अक्टूबर तथा 7 और 14 नवंबर को संचालित होगी।

कुल 54 में से 38 शावक और युवा चीते देश की धरती पर जन्मे

भारत में रचना इतिहास: कूनो नेशनल पार्क में विदेशी मूल के चीतों से अधिक हुई संख्या

मृदुभाषी। गोपाल

मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में 'चीता पुनर्स्थापना परियोजना' अब अपने एक बेहद सफल और नए मील के पथर पर पहुंच गई है। पार्क में अब भारत की धरती पर जन्मे चीतों की संख्या विदेशी मूल के चीतों से अधिक हो गई है। कूनो में मौजूद कुल 54 चीतों में से 38 का जन्म भारत में ही हुआ है, जो इस महत्वाकांक्षी वन्यजीव परियोजना के लिए एक बहुत बड़ी सफलता मानी जा रही है।

कूनो नेशनल पार्क में वर्तमान में कुल 54 चीते मौजूद हैं। इनमें से 38 चीते भारतीय मूल के हैं,



जबकि 16 चीतों को विदेश से लाया गया था। विदेश से लाए गए इन 16 चीतों में नामीबिया से 3, दक्षिण अफ्रीका से 7 और बोत्सवाना से 6 चीते शामिल हैं। परियोजना से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि संख्या में यह

नरसिंहपुर में 42.52 करोड़ के सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण, बच्चों के सुनहरे भविष्य को मिली नई उड़ान

गुरुकुल परंपरा की आधुनिक वापसी

मृदुभाषी। गोपाल

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि बच्चे हमारे देश और प्रदेश के भावी कर्णधार तथा सुनहरे भविष्य के चमकते सितारे हैं। इनकी शिक्षा-दीक्षा, प्रतिभा प्रोत्साहन और तरक्की में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी। राज्य सरकार आधुनिक शिक्षा सुविधाओं के विस्तार के साथ युवाओं को रोजगार और विकास के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने रविवार को नरसिंहपुर में आयोजित भव्य समारोह के दौरान 42.52 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित शासकीय 'सांदीपनि विद्यालय' भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के 35.56 लाख से अधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के बैंक खातों में 213.41 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। नवरात्र के पावन पर्व और शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने नरसिंहपुर जिलेवासियों को लगभग 175.14 करोड़ रुपये लागत के कुल 31 विकास कार्यों की सौगात दी, जिसमें लोकार्पण और भूमिपूजन दोनों शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय की 15 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर 'सांदीपनि बस सेवा' का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'गुरु हो तो सांदीपनि जैसा, शिष्य हो तो कृष्ण जैसा और मित्रता हो, तो कृष्ण-सुदामा जैसी।' प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे ये सांदीपनि विद्यालय हमारी प्राचीन गुरुकुल शिक्षा पद्धति और गुरु-शिष्य परंपरा का आधुनिक स्वरूप हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के अनमोल टिप्स देते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर सीखने की भावना बेहद जरूरी है।



युवा पर पूरा फोकस: दो बार होगी पीएससी परीक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2027 को युवा वर्ष घोषित किया गया है। अगले वर्ष पीएससी की परीक्षाएं दो बार आयोजित की जाएंगी। प्रदेश में 85 हजार नई नियुक्तियां की गई हैं और बहुत जल्द एक लाख से अधिक नवीन पदों पर भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष प्रदेश में 12 नये मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे, जिससे चिकित्सा शिक्षा के अवसरों का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सेवा संकल्प के महाअभियान में भारत को दुनिया में अग्रणी राष्ट्र बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। विकसित भारत की यात्रा में मध्यप्रदेश हर कदम पर प्रधानमंत्री के साथ खड़ा है। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रदेश में सांदीपनि विद्यालय शुरू किए



गए हैं, ये विद्यालय हमें भगवान श्रीकृष्ण के शिक्षाकाल का स्मरण कराते हैं। श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता से हमें शिक्षा लेकर मित्र की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

ग्वालियर-चंबल में बारिश के आसार, इंदौर में रातें हुई ठंडी

मानसून की विदाई के बाद भी मौसम का मिजाज बदला

मृदुभाषी। गोपाल

मध्य प्रदेश में मानसून की आधिकारिक विदाई के बाद भी मौसम का मिजाज पूरी तरह स्थिर नहीं हुआ है। प्रदेश के ऊपरी हिस्से में सक्रिय दो चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) के असर से ग्वालियर-चंबल अंचल में अगले दो दिनों तक बारिश होने की संभावना जताई गई है। एक तरफ जहां दिन में तेज धूप और गर्मी बरकरार है, वहीं दूसरी ओर रात के समय पारे में गिरावट के साथ ठंडक का अहसास होने लगा है।

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार और सोमवार को ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया और श्योपुर जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इससे पहले शनिवार को भी सिमरीली, रीवा, मऊगंज और सीधी में बादल छाए रहने के साथ हल्की बौछारें दर्ज की गईं। हालांकि, 13 और 14 अक्टूबर को पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने का अनुमान है। इसके बाद, बंगाल की खाड़ी में बनने वाले एक नए कम दबाव के क्षेत्र (लो प्रेशर एरिया) के प्रभाव से 15 अक्टूबर के बाद प्रदेश में एक बार फिर बारिश का नया दौर शुरू हो सकता है।

रातों में बढ़ा ठंडक का अहसास

प्रदेश में इस वक़्त मौसम के दो अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। दिन के समय कई शहरों में तापमान 36 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक बना हुआ है, जबकि रात होते ही तापमान गिरने से सिहरन महसूस होने लगी है। प्रमुख शहरों के न्यूनतम तापमान पर नजर डालें तो इंदौर में सबसे कम 16 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा अमरकंटक में 16.6 डिग्री, भोपाल और पचमढ़ी में 16.8 डिग्री, शाजापुर में



17 डिग्री और कटनी के करीबी में 17.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं दूसरी ओर, बड़वानी, ग्वालियर, राजगढ़, खजुराहो, धार और उज्जैन में दिन का अधिकतम तापमान 36 डिग्री या उससे ऊपर बना हुआ है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी कुछ दिनों तक दिन में धूप और रात में हल्की ठंड का यह सिलसिला इसी प्रकार जारी रहेगा।

इस सीजन मानसून का हाल और बारिश के आंकड़े

मध्य प्रदेश से इस साल 3 अक्टूबर को मानसून की विदाई हो चुकी है, लेकिन विभिन्न मौसमी प्रणालियों के सक्रिय होने के कारण बारिश का क्रम पूरी तरह थमा नहीं है। मौसम विश्लेषण शैलेंद्र कुमार नायक के अनुसार, पिछले दस वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि अक्टूबर के महीने में गर्मी, बारिश और ठंड—तीनों तरह का मौसम देखने को मिलता है। इस बार जून से लेकर

सितंबर तक के मानसून सीजन में मध्य प्रदेश में कुल 908.4 मिलीमीटर (यानी 35.8 इंच) बारिश दर्ज की गई, जबकि प्रदेश की सामान्य औसत बारिश 949.5 मिलीमीटर (यानी 37.3 इंच) है। इस प्रकार, इस पूरे सीजन में सामान्य से करीब चार प्रतिशत कम पानी गिरा। पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में अंतर: पूर्वी मध्य प्रदेश में सामान्य से चार प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई, जबकि पश्चिमी मध्य प्रदेश में 12 प्रतिशत की कमी आई।

जिलों की स्थिति

प्रदेश के 25 जिलों में बारिश का कोटा पूरी तरह पूरा हो गया, जबकि 30 जिलों में सामान्य से कम पानी गिरा। पश्चिमी हिस्से के आलीराजपुर, धार, झाबुआ, इंदौर, हरदा, नर्मदापुरम, रतलाम, उज्जैन और शाजापुर सहित कई जिलों में बारिश की कमी 20 प्रतिशत से भी अधिक दर्ज की गई।

डीडी नगर थाने में हाईवोल्टेज ड्रामा

डीजल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास करने वाली दो बहनों समेत 6 लोगों पर केस दर्ज

मृदुभाषी। रतलाम

शहर के डीडी नगर थाने में शुक्रवार रात उस वक़्त हड़कंप मच गया, जब पुरानी शिकायत पर पुलिस कार्रवाई न होने से नाराज दो सगे बहनों ने खुद पर डीजल डुड़ेलकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने कड़ा एक्शन लेते हुए भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा के जिला महामंत्री चेतन टांक समेत कुछ लोगो के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

आरोप है कि आत्मदाह का प्रयास करने के दौरान भाजपा पदाधिकारी चेतन टांक ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाया और अपने भाई के साथ मिलकर युवतियों को माचिस जलाने के लिए उकसाया। डीडी नगर थाना परिसर में शुक्रवार देर रात दो बहनों—मुस्कान टांक और हर्षिता टांक ने पहुंचकर जोरदार हंगामा शुरू कर दिया था। दोनों बहनों का आरोप था कि उनके पड़ोसियों ने उनके साथ मारपीट की थी और घर के सामने बीयर की बोतलें फेंकी थीं, लेकिन पुलिस इस मामले में कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं कर रही है। इसी विरोध के दौरान अचानक तनाव बढ़ गया और मुस्कान ने एक हरी केन से खुद पर तथा अपनी बहन हर्षिता पर डीजल डुड़ेल लिया। इसके बाद दोनों बहनों ने

हाथ में माचिस थामकर आत्महत्या की धमकी दी और पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाने का प्रयास किया। थाने में अचानक पैदा हुई इस भयावह स्थिति को देख वहाँ मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। हेड कॉन्स्टेबल कमल बघेल ने सूझबूझ दिखाते हुए युवतियों के हाथ से माचिस छीनने की कोशिश की, जिससे थाने में अफरातफरी और झुमाझटकी मच गई। इस धक्का-मुक्की के दौरान युवती मुस्कान ने थाना प्रभारी अनुराग यादव के साथ भी झुमाझटकी की, जिसमें थाना प्रभारी की गर्दन पर नाखून लगने से उन्हें चोट आ गई। कुछ ही देर में युवतियों के पिता पवन टांक और भाई सावन टांक भी थाने पहुँच गए और उन्होंने भी पुलिस पर दबाव बनाते हुए शासकीय कार्य में भारी बाधा उत्पन्न की।

छह लोगों पर बीएनएस के तहत मामला दर्ज

डीडी नगर थाना प्रभारी की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने इस मामले में कुल छह आरोपियों के खिलाफ नार्डम मुकदमा दर्ज किया है। इनमें चेतन टांक, उनके भाई नीरज टांक, मुस्कान टांक, हर्षिता टांक, सावन टांक और पिता पवन टांक शामिल हैं। पुलिस के आपराधिक रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी भाजपा नेता चेतन टांक के खिलाफ पहले से ही 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मृदुभाषी

सच्ची खबर, सलीके के साथ

ताजा खबरें

के लिए क्लिक करें

www.mradubahshi.com

पर

NEWS

ई-पेपर

TAJ

ताजा खबरें

INDIA

देश

WORLD

विदेश

LOCAL

लोकल खबरें

GOVT

राजधानी

MARKET

व्यापारी नगरी

SPORTS

खेल

BUSINESS

व्यापार

MORE

सबकुछ

देश की बड़ी खबरें अब सबसे पहले

मृदुभाषी

एक ही क्लिक में जानिए

सम्पादकीय



परिवहन का नया खाका, क्या घटेगी लागत?

एकीकृत परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स प्राधिकरण (आईटीएलए) के गठन को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी इस बात की स्वीकारोक्ति है कि देश के परिवहन बुनियादी ढांचे की प्रभावी योजना अलग-अलग विभागों में बांटकर नहीं बनाई जा सकती। सड़क, रेलवे, बंदरगाह, विमानन, अंतर्देशीय जलमार्ग और शहरी परिवहन एक-दूसरे पर आर्थिक रूप से निर्भर हैं। इसके बावजूद निवेश संबंधी फैसले अभी भी संबंधित मंत्रालयों और एजेंसियों के स्तर पर लिए जाते हैं और अक्सर व्यापक परिवहन नेटवर्क पर उनके प्रभाव को ध्यान में नहीं रखा जाता। आईटीएलए का उद्देश्य इसी कमी को दूर करना है। यह 10 वर्ष से अधिक की अवधि को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय परिवहन मास्टर प्लान तैयार करेगा, परिवहन मंत्रालयों की क्षेत्रवार और वार्षिक योजनाओं का आकलन करेगा, 500 करोड़ रुपये या उससे अधिक लागत वाली केंद्रीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का तकनीकी मूल्यांकन करेगा, उनके क्रियान्वयन की निगरानी करेगा और परियोजना पूरी होने के बाद प्रभाव का आकलन करेगा। साथ ही यह माल एवं सेवा कर (जीएसटी) ई-वे बिल, फास्टेग, वाहन और परिवहन से जुड़े अन्य अंकड़ों जैसे स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर राष्ट्रीय परिवहन डेटा रिपीजिटरी भी बनाएगा।

यह विचार सही है। परिवहन नीति का उद्देश्य अलग-अलग परिवहन साधनों में ज्यादा से ज्यादा निवेश करना नहीं बल्कि लोगों और सामान की आवाजाही में लगने वाली लागत और समय को न्यूनतम करना होना चाहिए। एक नया राजमार्ग उपयोगी हो सकता है लेकिन उसका आर्थिक लाभ इस बात पर निर्भर कर सकता है कि उससे रेल संपर्क, बंदरगाह या लॉजिस्टिक्स हब जुड़ा है या नहीं। इसलिए एकीकृत नियोजन से पूंजी का बेहतर आवंटन हो सकता है, दोहराव वाले निवेश को कम किया जा सकता है और लॉजिस्टिक्स की लागत घटाई जा सकती है। देश में समन्वय के लिए संस्थाएं तो अक्सर बनाई गई हैं लेकिन उन्हें समन्वय करने के लिए पर्याप्त अधिकार नहीं दिए गए। कई शहरों में प्रस्तावित एकीकृत महानगरीय परिवहन प्राधिकरण (यूएमटीए) काफी हद तक सलाहकारी संस्थाएं बनकर रह गए हैं क्योंकि परिवहन बुनियादी ढांचे, संचालन और वित्त पर नियंत्रण रखने वाली एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती रही हैं। दिल्ली में यूएमटीए स्थापित करने के नए प्रयास इस बात की याद दिलाते हैं कि एक ही महानगरीय क्षेत्र के भीतर भी एकीकरण कितना कठिन है। खासकर जब जिम्मेदारियां और वित्तीय संसाधन अलग-अलग एजेंसियों में बंटे हों। यही सबक आईटीएलए पर भी लागू होता है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के तहत एक विशेष प्रयोजन इकाई के रूप में गठित किए जाने के कारण किसी परिवहन मंत्रालय के अधीन होने के बजाय आईटीएलए में विभिन्न परिवहन साधनों के बीच अधिक तटस्थ दृष्टिकोण अपनाने की क्षमता है। लेकिन इसकी परियोजना मूल्यांकन और निगरानी संबंधी भूमिकाओं का परियोजनाओं के चयन, निवेश की प्राथमिकताओं और उनके क्रियान्वयन पर वास्तविक प्रभाव होना चाहिए। अन्यथा यह प्राधिकरण भी परामर्श की एक और परत बनकर रह जाने का जोखिम उठाएगा।

भारत के पास परिवहन से संबंधित डेटा बड़ी मात्रा में है लेकिन यह विभिन्न मंत्रालयों, ऑपरेटरों और डिजिटल प्लेटफॉर्मों में बिखरा हुआ है। इन्हें एक साथ लाने से माल की आवाजाही, यातायात जाम, वाहनों के उपयोग और यात्रियों की मांग को कहीं बेहतर ढंग से समझना संभव हो सकता है। इसलिए आईटीएलए का भूम्यांकन उसके मास्टर प्लान की गुणवत्ता के आधार पर नहीं बल्कि इस आधार पर किया जाना चाहिए कि क्या वह योजना वास्तविक निवेश और परियोजनाओं के क्रियान्वयन में बदलाव ला पाती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के दोहरेपन से दुनिया में हायतौबा

नीरज कुमार दुबे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से डीजल खरीदने का फैसला कर लिंडसे ग्राहम को मानो श्रद्धांजलि दे दी है! यह कटाक्ष इसलिए है, क्योंकि भारत रूस से तेल खरीदे तो उस पर सी फोसदी टैरिफ लगा दिया जाता है, लेकिन अमेरिका वही काम करे तो उसे शानदार फैसला बताया जाता है। यही नहीं, नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला, तो ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय पर ही प्रतिबंध लगा दिए। आखिर यह कैसी नीति है? दूसरों को नियमों का पाठ पढ़ाने वाले ट्रंप जब अपने देश के हितों की बात आती है, तो उन्हीं नियमों को भूल जाते हैं। भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने का दबाव बनाने वाले ट्रंप अब खुद रूस से डीजल खरीद रहे हैं, इस फैसले ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है इसलिए सवाल उठ रहा है कि रूस से तेल खरीदना गलत है, या गलत सिर्फ तब है जब भारत खरीदे? यही है ट्रंप की नीति का दोहरापन और खोखलापन!

देखा जाये तो रूसी ऊर्जा खरीद को लेकर भारत पर दबाव बनाने वाले ट्रंप का ताजा फैसला उनकी कथनी और करनी के बीच की खाई को उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने रूस से तत्काल तीन लाख टन से अधिक डीजल की आपूर्ति के साथ नवंबर में पांच लाख टन, उसके बाद दस लाख टन और फिर कुछ ही समय में तीस लाख टन अतिरिक्त डीजल की आपूर्ति की घोषणा की है। अमेरिकी प्रशासन ने रूसी डीजल की आपूर्ति को सुगम बनाने के लिए अस्थायी सामान्य अनुमति भी जारी की है, जिसके अंतर्गत निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले कुछ माल पर अप्रैल 2027 तक प्रतिबंधों में छूट का प्रावधान किया गया है। गौरतलब है कि यह वही प्रशासन है जिसने रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिबंधों को सख्त



करने की नीति अपनाई थी। लेकिन जब अमेरिका में ईंधन की कीमतें बढ़ीं और किसानों, ट्रक चालकों तथा कारोबारियों पर दबाव बढ़ा, तो रूस से ऊर्जा खरीद अचानक स्वीकार्य हो गई। दरअसल अमेरिका में नवंबर की शुरुआत में मध्यावधि चुनाव होने हैं और ट्रंप की नीतियों के चलते वहां महंगाई अप्रत्याशित रूप से बढ़ गयी है जिसके चलते जनता नाराज है। रिपोटों के मुताबिक, सितंबर में अमेरिकी डीजल की कीमत 6.52 डॉलर प्रति गैलन के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गयी थी और शुक्रवार को लगभग 6.28 डॉलर प्रति गैलन रही। तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले महंगाई का सवाल ट्रंप के लिए बड़ा सिरदर्द बन चुका है। सर्वेक्षणों के मुताबिक, 78 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों ने बढ़ती जीवन-यापन लागत के लिए ट्रंप की नीतियों को जिम्मेदार माना है। इसलिए जब अमेरिकी मतदाताओं

धर्म-ज्योतिष

नवरात्रि में क्यों होती है मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा?

शारदीय नवरात्रि मां दुर्गा की आराधना का विशेष पर्व है। इन नौ दिनों में भक्त मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवदुर्गा के प्रत्येक रूप की अपनी अलग महिमा है। कोई शक्ति और साहस का प्रतीक है, तो कोई तपस्या, ज्ञान, करुणा और सिद्धि का संदेश देता है। नवरात्रि के नौ दिन केवल देवी की उपासना तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्हें आत्मबल बढ़ाने, मन को संयमित करने और जीवन में सकारात्मकता अपनाने का अवसर भी माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, मां दुर्गा ने महिषासुर जैसे शक्तिशाली असुर का वध करके देवताओं और संसार को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। मां की इस विजय को अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में देखा जाता है। यही वजह है कि नवरात्रि में देवी के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करके भक्त उनसे सुख, समृद्धि, साहस और कल्याण की कामना करते हैं। नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा करने की परंपरा का विशेष धार्मिक महत्व है।



व्यापार

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे है कदम

भारत में बढ़ा दालों का रिकॉर्ड उत्पादन, आयात में बड़ी गिरावट और निर्यात में शानदार उछाल

मृदुभाषी, नई दिल्ली

भारत सरकार के आत्म निर्भरता मिशन’ के सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर दिखने लगे हैं। देश में दालों के उत्पादन में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसके चलते इसके आयात में भारी गिरावट आई है और निर्यात में भी उल्लेखनीय उछाल आया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025-26 में देश में दालों का कुल उत्पादन बढ़कर 274.09 लाख टन तक पहुँच गया है, जो कि इससे पिछले वर्ष यानी 2024-25 में 256.83 लाख टन था।

सरकार की दूरदर्शी नीतियों और किसानों की मेहनत से देश तेजी से



दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। दालों के घरेलू उत्पादन में वृद्धि का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ा है। वर्ष 2024-25 के दौरान भारत ने 46,427.60 करोड़ रुपए मूल्य की दालों का आयात किया था, जो 2025-26 में घटकर 31,793.59 करोड़ रुपए रह गया। इस प्रकार आयात के मूल्य में 31.52 प्रतिशत

उत्पादन बढ़ाने के लिए उठाए गए विशेष कदम

भारत सरकार ने 11 अक्टूबर 2025 को दालों में आत्मनिर्भरता के लिए विशेष योजना की घोषणा की थी, जिसके तहत खेती का रकबा 2024-25 के 277.20 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 2025-26 में 286.46 लाख हेक्टेयर हो गया। प्रति हेक्टेयर औसत पैदावार भी 926 किलोग्राम से बढ़कर 957 किलोग्राम हो गई है। सरकार का लक्ष्य 2030-31 तक कुल उत्पादन 350 लाख टन और प्रति हेक्टेयर पैदावार 1,130 किलोग्राम तक पहुँचाने का है। इस मिशन के तहत त्रूर, उड़द और मसूर पर विशेष जोर दिया जा

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भारतीय शेयर बाजार पर दबाव

अक्टूबर में अब तक 44,166 करोड़ की निकासी

मृदुभाषी, नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) द्वारा पैसा निकालने का सिलसिला लगातार जारी है। अक्टूबर के महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी मॉर्केट से भारी-भरकम 44,166 करोड़ रुपए की निकासी कर ली है। इसके साथ ही वर्ष 2026 में अब तक FPIs का कुल नेट आउटफ्लो बढ़कर 3.04 लाख करोड़ रुपए से भी अधिक हो गया है, जो कि बीते वर्ष 2025 में दर्ज की गई कुल 1.66 लाख करोड़ रुपए की निकासी की तुलना में लगभग दोगुना है।

बिकवाली के प्रमुख कारण

विशेषज्ञों के अनुसार, विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजारों से पैसा खींचने के पीछे कई वैश्विक और आर्थिक कारण जिम्मेदार हैं। इनमें मुख्य रूप से कच्चे तेल (कूड ऑयल) की ऊंची



कीमतें, मजबूत होता अमेरिकी डॉलर और 10 साल के अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में लगातार हो रही बढ़ोतरी शामिल है। इसके अलावा, उत्तर एशियाई बाजारों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से जुड़ी कंपनियों में आई जोरदार तेजी भी विदेशी निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। इससे पहले सितंबर में भी FPIs ने 35,861 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे, हालांकि जुलाई और अगस्त में कुछ निवेश जरूर आया था।

यह भारत के खिलाफ नहीं : गुप्ते

इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म Trackk के को-फाउंडर

और सीईओ वेदांत गुप्ते का मानना है कि इस बिकवाली को भारत के प्रति नकारात्मक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। यह वैश्विक स्तर पर पोर्टफोलियो को नए सिर से व्यवस्थित (रिलोबल रीपोजिशनिंग) करने की प्रक्रिया है। ग्लफ सप्लाई रिस्क के कारण कूड महंगा है, जबकि मजबूत डॉलर और ऊंची अमेरिकी यील्ड्स निवेशकों को सुरक्षित विकल्पों की ओर आकर्षित कर रही हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि घरेलू संस्थागत निवेशकों (DIs) और खुदरा निवेशकों ने इस भारी बिकवाली के दबाव को बेहतरीन तरीके से संभाला है, जो भारतीय बाजार की मजबूत बुनियाद को दर्शाता है। जिओजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के वीके विजयकुमार ने बताया कि FPI की बिकवाली ही इस साल निफ्टी के कमजोर प्रदर्शन की मुख्य वजह है, जिसने 2026 में अब तक -13.87% का रिटर्न दिया है। जब तक अमेरिकी बॉन्ड यील्ड ऊंचे बने रहेंगे, तब तक बिकवाली का दौर जारी रहने संभावना है।

की जेब का सवाल आया, तो रूस से डीजल खरीदना ट्रंप के लिए राष्ट्रीय हित बन गया। लेकिन भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों और आर्थिक हितों के अनुसार रूसी तेल खरीदे, तो उसे टैरिफ का सामना करना पड़ता है। इसलिए सवाल उठता है कि यह कैसी निष्पक्षता है? यह कैसी नियम-आधारित व्यवस्था है, जिसमें नियम दूसरों के लिए हैं और छूट अपने लिए? दूसरी ओर, ट्रंप के इस फैसले ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की नाराजगी भी बढ़ा दी है। उन्होंने इसे अनुचित और बेईमानी भरा कदम बताते हुए कहा कि इससे पुतिन को जन्मदिन का उपहार मिलने जैसा संदेश जाता है। जेलेंस्की की आपत्ति इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि यह घोषणा ऐसे समय हुई, जब ट्रंप के प्रतिनिधि यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों के साथ युद्ध समाप्त करने के प्रस्तावों पर बातचीत कर रहे थे। जेलेंस्की ने यह भी संकेत दिया कि यदि ऊर्जा प्रतिबंधों में ढील दोनों देशों की ओर से सर्दियों में ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने जैसे पारस्परिक समझौते का हिस्सा होती, तो उसका समर्थन किया जा सकता था। लेकिन बिना ऐसी शर्तों के रियायत देना रूस की युद्ध क्षमता को आर्थिक सहाय देने जैसा दिखाई देता है। वहीं अमेरिकी रिपब्लिकन नेता डॉन बेकन ने भी इस फैसले की आलोचना की। उनका तर्क था कि अमेरिकी किसानों और उपभोक्ताओं के लिए डीजल सस्ता करना जरूरी है, लेकिन इसके लिए रूस से ईंधन खरीदना गलत रास्ता है। उन्होंने पूछा कि जब अमेरिकी संसद ने रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए कानून पारित किया और ट्रंप ने स्वयं उस पर हस्ताक्षर किए, तो अब उसी दबाव को कमजोर करने का औचित्य क्या है? इसके अलावा, ट्रंप की राजनीति का दूसरा चिंताजनक पहलू अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रति उनका रवैया है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश नवी फिल्ले को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप प्रशासन ने न्यायालय के विरुद्ध प्रतिबंधों की घोषणा कर दी।

समसामयिक

भारत की संप्रभुता और सुरक्षा सर्वोपरि



हम यही स्वतंत्रता किसी विदेशी कारोबारी को दे सकते हैं? कतई नहीं, भारत का असली बॉस कौन है, यह तय करने और बताने का अधिकार सिर्फ और सिर्फ भारतीयों के पास ही रहना चाहिए। एलन मस्क ने 8 अक्टूबर को अपने ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ‘ स्टारलैंक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिला हुआ है और कंपनी भारत सरकार के हर नियम और जरूरत को पूरा करने में पाँच साल से काम कर रही है, फिर भी लाइसेंस क्यों

नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं?’ जिस अंदाज में और जितनी तेजी से राहुल गांधी ने इस पर कमेंट किया, उसे लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। मस्क के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए राहुल ने लिखा, ‘ भारत में आपका स्वागत है, एलन। दूसरे शास्त्र के मिलने तक इंतजार कीजिए।’ राहुल गांधी के जवाब से गदगद मस्क ने तुरंत जवाब देते हुए लिखा, ‘धन्यवाद राहुल, यह वाकई परेशान करने वाला है।’

यहां यह याद रखना भी बहुत जरूरी है कि मस्क पहले भी आरोप लगा चुके हैं कि भारत में इस सेक्टर से जुड़े बड़े कारोबारी स्टारलैंक की एंट्री भारत के बाजार में रोककर अपना दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन इस बार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जवाब देने के कारण, मामला बहुत गंभीर हो गया है। पिछले कई दिनों से राहुल, देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं और यह बात स्पष्ट तौर पर नजर आ रही है।

मैन्युफैक्चरिंग और रोजगार बढ़ाने कारोबार की लागत घटाना जरूरी : अमिताभ कांत

मृदुभाषी, नई दिल्ली

नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) अमिताभ कांत का मानना है कि यदि भारत को विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर पैदा करने हैं, तो सबसे पहले देश में कारोबार की लागत को काफी हद तक कम करना होगा। इसके लिए उन्होंने बैंकों के वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) में कटौती करने, ऋण को सस्ता बनाने और उद्योगों के लिए भूमि की उपलब्धता को अधिक सुगम बनाने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाने पर जोर दिया है।

उनका कहना है कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (PLI) योजना फिलहाल एक बेहतरिण अल्पकालिक सहाय है, लेकिन लंबे समय तक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को गति देने के लिए व्यापक आर्थिक



सुधारों की आवश्यकता होगी।

एसएलआर में कटौती और सस्ते कर्ज की जरूरत

कांत के अनुसार कानूनी और वित्तीय भाषा में एसएलआर वह निश्चित अनुपात है, जिसके तहत देश के सभी कमर्शियल बैंकों को अपनी कुल जमा देनदारियों (NDTL) का एक तय हिस्सा सुरक्षित सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में अपने पास रखना अनिवार्य होता है। वर्तमान में भारत में एसएलआर 18 प्रतिशत है, जिसे अमिताभ कांत ने काफी अधिक बताया है। उनका सुझाव है कि इसमें कटौती करने से बैंकों के

पास नकदी बढ़ेगी, जिससे वे निजी और मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को बेहद कम ब्याज दरों पर आसानी से कर्ज उपलब्ध करा सकेंगे। इससे कंपनियों के लिए वित्तपोषण आसान होगा।

वियतनाम और मैक्सिको से सीख लेने की सलाह

अमिताभ कांत ने इस बात पर विशेष बल दिया है कि भारत को चीन के साथ-साथ उसके विकल्प के तौर पर तेजी से उभर रहे देशों जैसे वियतनाम और मैक्सिको की नीतियों का अध्ययन करना चाहिए। इन देशों में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया बेहद सरल है और लंबी अवधि के लिए आसान शर्तों पर पट्टे (लीज) पर जमीन उपलब्ध कराई जाती है। इसके अलावा, उन्होंने देश में बिजली की दरों और उसकी सुलभता पर भी चिंता जताई।

बायोकॉन को 3.2 करोड़ का जीएसटी नोटिस थमाया

मृदुभाषी, नई दिल्ली

कारोबार से लेकर कूटनीति और स्वास्थ्य क्षेत्र तक से जुड़ी तीन प्रमुख खबरें चर्चा में हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोरी हैं। इसमें बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बायोकॉन लिमिटेड को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 3.2 करोड़ रुपए से अधिक का जीएसटी कर नोटिस प्राप्त हुआ है। विशाखापत्तनम-2 स्थित जीएसटी कार्यालय से जारी इस नोटिस में 1.85 करोड़ रुपए का कर, 1.17 करोड़ रुपए का ब्याज और 18.52 लाख रुपए का जुर्माना शामिल है। कंपनी पर मुख्य रूप से एसईजेड एंडोसमेंट डीब्यूमेंट्स न जमा करने और इनपुट टैक्स क्रेडिट में

अनियमितताओं के आरोप हैं। दूसरे मामले में महाराष्ट्र के खाद्य और औषधि प्रशासन द्वारा प्रतिबंधित उत्पादों के अप्रत्यक्ष इलाकों को लेकर शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइटान थ्रॉफ सहित अन्य अभिनेताओं को नोटिस भेजे गए थे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत विज्ञापन कानून के अनुरूप होने चाहिए। तीसरे मामले में आतंकवाद के प्रायोजक पाकिस्तान को लगड़ा इटका लगा है। विश्व बैंक ने पाकिस्तान को दक्षिण एशिया क्षेत्र से हटाकर खाड़ी देशों और उत्तरी अफ्रीका समूह में शामिल किया है। इस प्रक्रिया, उन्होंने देश के बाद अब दक्षिण एशिया क्षेत्र में केवल भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान व मालदीव ही बचे हैं।

आमजन से कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने तथा किसी भी सौंदर्य गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। त्योहारों के दौरान आपसी सद्भाव एवं सामाजिक समरसता बनाए रखने का संदेश देने हुए पुलिस ने स्पष्ट किया कि नगर में शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पुलिस ने नागरिकों से सहयोग का आग्रह करते हुए कहा कि शहर में शांति बनाए रखें।



भगवान महाकाल का हुआ पंचामृत पूजन और श्रृंगार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध भगवान श्री महाकालेश्वर जी मंदिर में रविवार तड़के 4 बजे भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल के दरबार में भव्य अनुष्ठान संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर मंदिर के पट खोलकर भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया गया और दूध, दही, घी, शक्कर तथा फलों के रस से बने पंचामृत से विधि-विधान पूर्वक पूजन किया गया। पंडे-पुजारियों द्वारा गर्भगृह में स्थापित सभी देवी-देवताओं व प्रतिमाओं की भी अचाकन पूजा-अर्चना की गई। पूजा के अगले चरण में भगवान महाकाल को त्रिशूल, त्रिपुंड और डमरू के साथ भांग

अर्पित कर अनूठा श्रृंगार किया गया। हरि ओम का जल अर्पित करने के पश्चात कपूर आरती उतारकर श्रृंगार प्रक्रिया को पूर्ण किया गया। इसके बाद ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढककर महानिवाणी अखाड़े की ओर से पवित्र भस्म रमाई गई। भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार रूप में भक्तों को अपने दिव्य दर्शन देते हैं। भस्म अर्पण के बाद बाबा महाकाल को शेषनाग का रजत मुकुट, रजत मुंडमाल, रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों की भव्य माला पहनाई गई। भगवान ने इस दौरान मोगेर और गुलाब के सुगंधित पुष्पों को धारण किया। इसके उपरांत, भगवान को फल और मिष्ठान का नैवेद्य भोग लगाया गया।

नवरात्रि में कटौती बर्दाश्त नहीं

युवा कांग्रेस ने विद्युत विभाग के खिलाफ खोला मोर्चा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लोड मैनेजमेंट के नाम पर लगातार हो रही बिजली कटौती को लेकर युवा कांग्रेस ने विरोध जताते हुए विद्युत विभाग से तत्काल समाधान की मांग की। इसको लेकर रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान हाटपिपल्या विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष प्रशांत सिंह चौहान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार हो रही बिजली कटौती से आम जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि का पावन पर्व शुरू हो चुका है। गांव-गांव में माता रानी के पंडाल, पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक आयोजन होंगे। ऐसे में बिजली कटौती से श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।



लोड मैनेजमेंट के नाम पर क्यों हो रही कटौती

प्रशांत सिंह चौहान ने विद्युत विभाग से सवाल किया कि आखिर लोड मैनेजमेंट के नाम पर ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बिजली कटौती क्यों की जा रही है, यदि बिजली उत्पादन में कमी और बढ़ती मांग इसका कारण है, तो विभाग संबंधित आदेश और वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करे। चौहान ने कहा कि बिजली कोई एहसान नहीं, जनता का अधिकार है। नवरात्रि जैसे पावन पर्व पर गांवों

रखना स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण जनता के साथ बड़ा जनअंदोलन किया जाएगा। उन्होंने स्थिति सुधारने की मांग की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस महासचिव जितेंद्र सिंह गौड़, हिम्मतसिंह चावड़ा, शिप्रा युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अजय कुमावत, रामसिंह चौहान सिंगावदा, आनंद बना सिया, राकेश मंडलोई सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एआई से बिल्कुल डरें नहीं, आप जॉब्स क्रिएट करने वाले लोग : उमेश टेलर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। शासकीय पालीटेक्निक महाविद्यालय में सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय तकनीकी एवं रचनात्मक कार्यक्रम टेको उदय का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल, नवाचार, रचनात्मकता एवं व्यावहारिक ज्ञान को प्रोत्साहित करना रहा। पुरस्कार वितरण



और समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि व जनभागीदारी समिति सदस्य उमेश टेलर, संस्था के

प्राचार्य विपुल परमार्थी उपस्थित रहे जिन्होंने विद्यार्थियों को पुरस्कृत करने के साथ ही उन्हें प्रोत्साहित भी किया।

दर्शन के लिए कतार, मेडिकल कैप में नहीं मिले डॉक्टर

पहले दिन माता टेकरी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। नवरात्रि के पहले दिन देवास की माता टेकरी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह सूरज की पहली किरण के साथ ही माता के जयकारे गुंजने लगे। छोटी माता चामुंडा की सुबह की आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। देवास के अलावा इंदौर और आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में भक्त माता के दर्शन के लिए पहुंचे।



और उस समय क्या स्थिति रही।

सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़

माता टेकरी पर सुबह से ही दर्शन के लिए भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया था। सुबह 7 बजे के बाद श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी और बड़ी माता मंदिर तक जाने वाले मार्ग पर कतारें लग गईं। बैरिकेडिंग के बीच श्रद्धालुओं को रुक-रुककर आगे बढ़ना पड़ा। दर्शनों के लिए भक्तों को करीब आधे घंटे तक इंतजार करना पड़ा। इसके बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ और भक्त जयकारे लगाते हुए माता के

दरबार की ओर बढ़ते रहे।

आरती में शामिल हुई विधायक र

सुबह छोटी माता चामुंडा की आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। विधायक गायत्री राजे पवार भी आरती में पहुंचीं। कई श्रद्धालु घुटनों के बल चलते हुए माता के दरबार तक पहुंचे, वहीं कुछ अभिभावक अपने बच्चों को कंधों पर बैठाकर दर्शन कराने आए। हाथों में ज्योत, भजन और जय माता दी के जयकारों से पूरी टेकरी का वातावरण भक्तिमय बना रहा। नवरात्रि के पहले दिन माता टेकरी पर उमड़ी भारी भीड़ ने

जहां श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह को दर्शाया, वहीं मेडिकल कैप में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की अनुपस्थिति ने आपात स्थिति में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

कलेक्टर ने सप्लीक पूजा-अर्चना की

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने माताजी की टेकरी पहुंचकर सप्लीक मां तुलजा भवानी और मां चामुंडा की पूजा-अर्चना की। कलेक्टर सिंह ने नवरात्रि के पावन अवसर पर टेकरी परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा हेतु की गई प्रशासनिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को दर्शन व्यवस्था को सुगम, व्यवस्थित और सुचारु बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने कहा कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी देवास चामुंडा माता के दर्शन प्रबंध समिति एवं जिला प्रशासन का यह सतत प्रयास है कि दर्शन व्यवस्था को और अधिक सुगम बनाया जाए, जिससे दर्शनार्थियों को अच्छे से दर्शन हो सके।

विवादों में घिरी संभागीय कराते प्रतियोगिता, जमकर हुई नारेबाजी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में हुई संभागीय कराते प्रतियोगिता विवादों के घेरे में आ गई। जहां बाहर से आए खिलाड़ियों ने अव्यवस्थाओं के आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया और नारेबाजी की। वहीं लड़कियों के लिए भी विभागीय अधिकारी व्यवस्था नहीं जुटा पाए। एक खिलाड़ी ने आवाज उठाने पर उसे थपड़ मारने का भी आरोप लगाया है। जो प्रतियोगिता सुबह 9 बजे शुरू होनी थी वह विवादों के चलते रात करीब 12 बजे तक चलती रही। उज्जैन संभाग के सात जिलों से 300 से ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, लेकिन 50 से ज्यादा देरी के कारण भाग नहीं ले पाए। यही नहीं खिलाड़ियों के लिए

बिना ओटीपी के क्रेडिट कार्ड से उड़े 1.31 लाख

फर्जी लिंक से गंवाए 41 हजार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। साइबर अपराधियों के होसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। ताजा मामलों में शातिर ठगों ने दो अलग-अलग वारदातों को अंजाम देते हुए भोले-भाले नागरिकों के बैंक खातों और क्रेडिट कार्ड से कुल 1 लाख 72 हजार रुपए की अवैध निकासी कर ली है। पहली घटना में जहां बिना ओटीपी के क्रेडिट कार्ड से बड़ी रकम साफ कर दी गई, वहीं दूसरी घटना में एक फर्जी लिंक पर क्लिक करना पीड़ित को भारी पड़ गया। दोनों ही मामलों में स्थानीय थानों की पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

फर्जी लिंक पर क्लिक करते ही खाते से उड़ गए 41 हजार

साइबर ठगी का पहला मामला नयापुरा चंदेसरी क्षेत्र का है। यहाँ रहने वाले 33 वर्षीय धर्मेन्द्र बागवान के मोबाइल पर गत 14 अगस्त को बैंक बैलेंस से जुड़ा एक संदिग्ध मैसेज प्राप्त हुआ था। उस मैसेज में एक एपीके फाइल या लिंक संलग्न था और उसे तुरंत भरकर अपडेट करने का निर्देश दिया गया था। धर्मेन्द्र

जैसे ही झांसे में आकर उस फर्जी लिंक पर क्लिक किया, उनके बैंक खाते से पलभर में 41 हजार रुपए कट गए। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने तुरंत नरवर थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

क्रेडिट कार्ड से जुड़े रजिस्टर्ड नंबर को बदला

खजुरिया रेहवारी निवासी सतीश परमार के साथ सामने आया है। शातिर ठगों ने शातिराना अंदाज में उनके क्रेडिट कार्ड से जुड़े रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर को ही बदल दिया, जिससे बैंक से आने वाले अलर्ट की जानकारी पीड़ित को समय पर न मिल सके। इसके बाद ठगों ने बिना किसी ओटीपी के उनके क्रेडिट कार्ड से कुल 1 लाख 31 हजार रुपए की भारी-भरकम राशि निकाल ली। सतीश परमार को इस धोखाधड़ी का पता तब चला जब उनके पुराने मोबाइल नंबर पर ट्रॉजकेशन के मैसेज आए। उन्होंने तुरंत इसकी शिकायत बैंक और संबंधित पुलिस थाने में की। लगातार बढ़ रही इन ऑनलाइन ठगी की वारदातों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने शहरवासियों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

मेले से दिया जाएगा स्वदेशी का संदेश

27 नवंबर से 7 दिसंबर तक लगेगा स्वदेशी मेला

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने, स्थानीय व्यापार एवं उद्योगों को बढ़ावा देने और स्वदेशी विचार को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से देवास में आगामी 27 नवंबर से 7 दिसंबर 2026 तक स्वदेशी मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला पुलिस ग्राउंड में आयोजित होगा। मेले की तैयारियों एवं आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए होटल विश्वास में बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि मेले के माध्यम से स्वदेशी का संदेश प्रसारित करते हुए लोगों को स्वदेशी उत्पाद अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। बैठक में मेले की वैचारिक पृष्ठभूमि, आयोजन स्थल, तारीख एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस दौरान मेले के प्रमुख दायित्वों की घोषणा



भी की गई। आयोजन के लिए समीर मूंदड़ा को पालक, विजेंद्र उपाध्याय को मेला संयोजक तथा अभिषेक गोस्वामी, हीना राठौड़ एवं श्रीमती पुष्पलता सोनगरा को सह-संयोजक घोषित किया गया। मेले की अन्य समितियों एवं दायित्वों की घोषणा आगामी दिनों में की जाएगी।

आमजन को स्वदेशी उत्पाद के लिए प्रेरित करेंगे

बैठक में स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक डॉ. विशाल पुरोहित, संभाग पूर्णकालिक हेमंत

रावत, जिला संयोजक सुरेंद्र गिरि गोस्वामी सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजकों के अनुसार, स्वदेशी मेले के माध्यम से स्थानीय उद्यमियों, व्यापारियों एवं उत्पाद निमाताओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और प्रचार-प्रसार के लिए मंच उपलब्ध कराने के साथ ही आमजन को स्वदेशी उत्पाद अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। आगामी दिनों में मेले की तैयारियों को गति देने के लिए विभिन्न समितियों का गठन कर आयोजन से संबंधित गतिविधियां आगे बढ़ाई जाएंगी।

स्थापक परिवार ने 15वें वर्ष भी वृद्धाश्रम में भेंट की मां भगवती की प्रतिमा

देवास। सेवा और श्रद्धा की परंपरा को निभाते हुए स्थापक परिवार द्वारा इस वर्ष भी वृद्धाश्रम रैन बसेरा, देवास में मां भगवती की प्रतिमा भेंट की गई। परिचार द्वारा लगातार 15वें वर्ष यह सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर महेंद्र स्थापक, ब्रह्म सनातन गौरव के अध्यक्ष दीपक जोशी, ब्राह्मण संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित सिद्धार्थ अवस्थी, ईश्वर बाली एवं कुलदीप बाली उपस्थित रहे।

सभी अतिथियों ने वृद्धाश्रम में निवासरत माताओं को मां भगवती की प्रतिमा भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रद्धा और आत्मीयता का वातावरण रहा। वृद्धाश्रम में रहने वाली माताओं ने इस सेवा कार्य के लिए स्थापक परिवार एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विवादों में घिरी संभागीय कराते प्रतियोगिता, जमकर हुई नारेबाजी



शिक्षा विभाग ने पुलिस, एंबुलेंस और प्राथमिक उपचार तक की व्यवस्था नहीं की। प्रतियोगिता में बाहर से आई छात्राओं ने सुरक्षा और ठहरने की उचित व्यवस्था न होने की भी शिकायत की। जिन्हें लिए न व्यवस्थित वाशरूम था और न ही पीने के पानी की कोई व्यवस्था की गई थी। कोच और खिलाड़ियों ने भी उज्जैन संभाग के बजाए भोपाल के निर्णायकों को प्रतियोगिता में शामिल करने की बात कही।

जिसके चलते उन्हें मौका नहीं मिला। जिसका खामियाजा कई खिलाड़ियों को भुगताना पड़ा।

दो दिवसीय प्रतियोगिता का एक दिन में ही समापन

सूत्रों की माने तो प्रतियोगिता के संचालन में प्रतियोगिता में बजट बचाने के लिए दो दिन चलने वाली प्रतियोगिता को एक ही दिन में समाप्त करने का प्रयास किया गया। जबकि खिलाड़ियों के लिए कोई सुविधा नहीं दी गई।

मां की भक्ति से गुलजार हुए वीरान जंगल ठेकेदार की मनमानी से बेहाल ग्रामीण

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर जिले के सनाटे और घने जंगलों से घिरे वीरान इलाके अचानक मां की भक्ति से सराबोर हो गए हैं। कभी खूंखार दस्यु सम्राटों की आमद और दहशत का केंद्र रहे दुर्गम जंगलों में अब ढोल-ढमाकों, घंटे-घड़ियालों और माता के जयकारों की गुंज सुनाई दे रही है। जिले के दो प्रसिद्ध और ऐतिहासिक शक्तिपीठों—मां बीस भुजा देवी मंदिर और मां बिनाल देवी मंदिर में नौ दिवसीय भव्य मेले का शुभारंभ हो चुका है, जहाँ मध्य प्रदेश के अलावा राजस्थान और उत्तर प्रदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।



महाभारत कालीन है मा बीस भुजा देवी का रहस्यमयी मंदिर
गुना जिला मुख्यालय से महज करीब 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मां बीस भुजा देवी मंदिर का इतिहास महाभारत काल से जुड़ा हुआ है। घने जंगलों के बीच विराजी इस पावन देवी प्रतिमा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि माता के 20 हाथ हैं। हालांकि,

आश्चर्य की बात यह है कि मां के सभी बीस हाथों को एक बार में गिन पाना आज भी बेहद दुर्लभ माना जाता है; ऐसा विश्वास है कि केवल माता के अनन्य भक्त ही अपनी पूरी श्रद्धा से उनके सभी बीस हाथों के दर्शन और गिनती कर पाते हैं। नवरात्रि के इन नौ दिनों में यहाँ दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी मन्तन लेकर पहुंच रहे हैं

और माता के दरबार में भक्तों का तांता लगा हुआ है। वहीं, दूसरी ओर गुना मुख्यालय से लगभग 55 किलोमीटर दूर सिरसी क्षेत्र के बेहद घने और बीहड़ जंगलों के बीच स्थित मां निहाल देवी मंदिर की कहानी भी कम रोमांचक नहीं है। यह वही इलाका है जो कभी कुख्यात दस्यु सम्राटों (डकेतों) की आवाजाही और आमद का मुख्य केंद्र हुआ करता था। कभी इस क्षेत्र में कानून के पहरे से ज्यादा खौफ का साया रहता था, लेकिन आज यहाँ की आबाहवा पूरी तरह बदल चुकी है। इतिहास के पन्नों में दर्ज डकेतों के किस्से समेटे इस वीरान अंचल में आज श्रद्धा का साम्राज्य है। कभी इस क्षेत्र में आतंक का पर्याय रहे खूंखार दस्यु सम्राट रामबाबू और दयाराम गड़रिया भी मां निहाल

देवी के अनन्य भक्त हुआ करते थे, जो अपनी मन्तन पूरी होने पर हर साल यहाँ आकर विशाल घंटा चढ़ाया करते थे। आज उन्हीं जंगलों में आमजन और दूर-दराज से आए श्रद्धालु बिना किसी भय के माता के दर्शन कर रहे हैं। जिले के इन दोनों ही पौराणिक और चमत्कारी मंदिरों में नौ दिनों तक चलने वाले मेलों को लेकर प्रशासन और स्थानीय समितियों द्वारा खास तैयारियां की गई हैं। जंगलों के उबड़-खाबड़ रास्तों और पगडंडियों पर इस समय सिर्फ भक्तों का सैलाब नजर आ रहा है। सुरक्षा और व्यवस्था के बीच मध्य प्रदेश के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश और राजस्थान से आए श्रद्धालु इन वीरान जंगलों को अपनी मां देवता और भक्ति के प्रकाश से रोशन कर रहे हैं।

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। गुना-फतेहगढ़ रोड का निर्माण कर रहे ठेकेदार की मनमानी से ग्रामीण त्रस्त हो चुके हैं। ठेकेदार द्वारा ग्राम बरसाती में लगाए गए डामर प्लांट से फैल रहे भारी प्रदूषण के कारण लोगों का जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों के मुताबिक प्लांट से उड़ने वाली जहरीली धूल और धुएं से तंग आकर बरसाती गांव के मासूम बच्चों ने अब बमोरी विधायक को वीडियो कॉल करके अपनी दास्तान सुनाई है और इस डामर प्लांट को तुरंत दूसरी जगह शिफ्ट करने की गुहार लगाई है, ताकि ग्रामीणों को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रदूषण के चलते कई लोगों को हृदय रोग और चर्म रोग जैसी गंभीर समस्याएं जकड़ने



लगी हैं। स्थिति यह है कि अगर ग्रामीण अपनी छतों पर खाने के लिए गेहूं या अन्य अनाज सुखाने डालते हैं, तो उस पर भी प्रदूषण की काली परत और धूल जम जाती है। दूषित हो चुके इस अनाज के सेवन से बीमारियां और तेजी से फैल रही हैं। सबसे बुरा हाल स्कूली बच्चों का है, जो धूल के गुबार के बीच से गुजरकर स्कूल जाते हैं। रास्ते में उड़ने वाली भारी धूल सीधे उनके फेफड़ों में समा रही है, जो उनके स्वास्थ्य के लिए

बेहद खतरनाक साबित हो रही है। खास बात यह है कि बरसाती और आसपास के गांवों में अधिकांश लोग मजदूरी करते हैं, जिनके आर्थिक हालात इतने अच्छे नहीं है कि वे बड़े अस्पतालों में अपने लिए बेहतर उपचार मुहैया करा सकें। बताया जा रहा है कि ठेकेदार की मनमानी और अवैध हरकतों के खिलाफ इससे पहले कुड़का गांव के ग्रामीण भी अवैध उत्खनन के गंभीर आरोप लगा चुके हैं।

घट स्थापना के साथ गुंजे मां जगदंबा के जयकारे

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर पूरे क्षेत्र में अभूतपूर्व भक्तिमय, धार्मिक और आध्यात्मिक उल्लास का माहौल देखने को मिल रहा है। चारों ओर मां जगदंबा की घट स्थापना के साथ ही माता रानी अपने भव्य स्वरूप में विराजमान हो चुकी हैं। गली-मोहल्लों, मंदिरों और हर घर से देवी के जयकारों और मंत्रोच्चार की गुंज से पूरा वातावरण पूरी तरह से पावन हो गया है।

शारदीय नवरात्रि के पहले दिन से ही शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक धार्मिक स्थलों, मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर आकर्षक झांकी पंडाल सजाए गए हैं। इनमें विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं की स्थापना और घट स्थापना (कलश स्थापना) संपन्न हुई। माता रानी के इस अलौकिक आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में गजब का उत्साह नजर आ रहा है। व्रत और उपवास रखकर भक्तगण मां भगवती की पूजा-अर्चना में तल्लीन हैं और अपने परिवार तथा समाज की सुख-समृद्धि की



कामना कर रहे हैं। कई स्थानों पर विद्वान पंडितों और आचार्यों द्वारा अनुष्ठानपूर्वक घटस्थापना कराई गई है। माता रानी के दरबारों और पंडालों को मनमोहक फूलों, रंग-बिरंगी लाइटिंग और आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया है, जो देखते ही बन रहा है। शहर के अत्यधिक भीड़भाड़ वाले और प्रमुख झांकी पंडालों में श्रद्धालुओं की सुगमता और अनुशासन बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और आयोजन समितियों द्वारा विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि भक्त बिना किसी असुविधा के माता के दर्शन कर सकें।

कामना कर रहे हैं। कई स्थानों पर विद्वान पंडितों और आचार्यों द्वारा अनुष्ठानपूर्वक घटस्थापना कराई गई है। माता रानी के दरबारों और पंडालों को मनमोहक फूलों, रंग-बिरंगी लाइटिंग और आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया है, जो देखते ही बन रहा है। शहर के अत्यधिक भीड़भाड़ वाले और प्रमुख झांकी पंडालों में श्रद्धालुओं की सुगमता और अनुशासन बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और आयोजन समितियों द्वारा विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि भक्त बिना किसी असुविधा के माता के दर्शन कर सकें।

गाड़ियों का काफिला देखकर लगा कि एसडीओपी की नहीं किसी वीआईपी नेता की हो रही विदाई

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। अक्सर वीआईपी और नेताओं के लंबे काफिलें और फूलमाला, आतिशबाजी से स्वागत देखा होगा, लेकिन जिले में पुलिस विभाग में एसडीओपी का स्थानांतरण हो जाने के बाद शहर में समाजसेवियों ने अनेकों विदाई दी। जहां समाजसेवियों ने शहर भर में दर्जनों गाड़ियों के लंबे काफिले के साथ शहर के बाहर 10 किलोमीटर दूर तक छोड़ा तो वहीं जगह-जगह लोगों ने आतिशबाजी और फूल माला पहनाकर उनका अभिनंदन और शुभकामनाएं दी। अशोकनगर एसडीओपी विवेक शर्मा लंबे समय तक जिले में पदस्थ रहे। और उनकी पदस्थापना जिले के लगभग सभी थानों में रही। उनकी पहली पोस्टिंग चन्देरी में प्रोबेशन पीरियड के दौरान हुई इसके बाद वह नई सराय, ईसागढ़ थाना प्रभारी और सिटी कोतवाली के तीन बार थाना प्रभारी रहे। इसके बाद वह एसडीओपी के रूप में पदस्थ होकर वापस शहर आए ।



तीन वर्ष से भी अधिक रहा थाना का कार्यकाल
उनका कार्यकाल तीन वर्ष से भी अधिक रहा। इसके बाद उन्होंने अपने कार्यकाल में कई बड़े कार्य किए कोतवाली में अपने कार्यकाल के दौरान पशुपतिनाथ शिव मंदिर का निर्माण करवाया। एस डी ओ पी के तौर पर पदस्थ रहते हुए अनुविभागीय कार्यालय परिसर में बाल हनुमान मंदिर की स्थापना करवाई गई

कई बड़े मामलों का खुलासा
एसडीओपी विवेक शर्मा का कई बड़े मामलों के खुलासों में अहम योगदान रहा। इसके साथ ही शहर में समाजसेवियों से जुड़कर धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में भी पुलिस और आम जन के बीच में एक परस्पर सामाजिक संबंध के रूप में स्थापित किए। विगत दिनों पुलिस मुख्यालय द्वारा उनका स्थानांतरण मुरैना किया गया, जिसके बाद शनिवार को उन्होंने शहर से विदाई ली। उनकी विदाई के दौरान जगह-जगह समाजसेवियों ने उन्हें विदा करने लंबे वाहनों का काफिला निकाला और आतिशबाजी और पुष्प मालाओं से उनका अभिनंदन भी किया गया इस दौरान एसडीओपी विवेक शर्मा और समाजसेवी व नागरिकगण उस वक्त भावुक हो गए जब उनके रहते हुए उनके द्वारा बनवाए गए मंदिर और दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सामाजिक रिश्त सुमन सहित अन्य विभागीय स्टाफ और बड़ी संख्या में स्थानीय हितग्राही उपस्थित रहे। पेंशन की राशि समय पर खातों में पहुंचने से जिले के वृद्धजनों, दिव्यांगों और पात्र हितग्राहियों में काफी प्रसन्नता का माहौल देखा गया।

5 वर्ष से फरार मारपीट के मामले का स्थायी वारंटी गिरफ्तार

गुना। जिले में फरार आरोपियों और स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कैट थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने पांच साल से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस अधीक्षक के कुशल नेतृत्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन और सीएसपी के पर्यवेक्षण में कैट थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव की टीम ने यह कार्रवाई की। वर्ष 2021 में आरोपी अक्षित शर्मा (निवासी विवेक कॉलोनी, गुना) के खिलाफ अन्य साधियों के साथ मारपीट की घटना को लेकर कैट थाने में धारा 323, 294, 506 और 34 के तहत अपराध क्रमांक 950/21 दर्ज किया गया था। न्यायालयीन कार्रवाई से लगातार अनुपस्थित रहने और फरार होने के चलते न्यायालय द्वारा प्रकरण क्रमांक 2524/21 में आरोपी के विरुद्ध स्थायी वारंट जारी किया गया था। पुलिस टीम लगातार उसकी तलाश कर रही थी। मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर 11 अक्टूबर 2026 को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे स्थायी वारंटी अक्षित उर्फ अनमोल (पुत्र हरिश्चंकर शर्मा, उम्र 25 वर्ष, निवासी विवेक कॉलोनी, गुना) को दबोच लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया है।

चर्चित हेमराज आत्महत्याकांड का मुख्य आरोपी विट्ठल किरार गिरफ्तार

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिले के चर्चित हेमराज किरार आत्महत्या मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के कुशल नेतृत्व में गुना पुलिस गंभीर अपराधों के विरुद्ध लगातार त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में धरनावदा थाना क्षेत्र के बहुचर्चित मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को पुलिस ने दबोचकर सलाखों के पीछे भेज दिया है। धरनावदा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम झारग निवासी 35 वर्षीय हेमराज किरार ने गत 18 सितंबर 2026 को किन्हीं कारणों से जहरीला पदार्थ खा लिया था, जिनकी जिला अस्पताल गुना में इलाज के दौरान दुखद मृत्यु हो गई थी। इस घटना के सामने आने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच एसडीओपी विवेक अछाना को सौंपी थी। पुलिस द्वारा मामले में मिले सुसाइड नोट, परिजनों के बयानों और तामाम साक्ष्यों की सूक्ष्मता से जांच की गई। जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी विट्ठल किरार और उसके साधियों द्वारा रुपयों के लेन-देन, मारपीट, पुरानी बेची गई जमीन के पूरे पैसे न देने और नई



जमीन बेचने का लगातार दबाव बनाया जा रहा था। इसी मानसिक प्रताड़ना और दबाव से क्षुब्ध होकर हेमराज ने यह आत्मघाती कदम उठाया था। जांच रिपोर्ट के आधार पर धरनावदा थाना पुलिस ने 25 सितंबर 2026 को चार आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 202/26, धारा 108, 3(5) बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) के तहत मामला पंजीबद्ध किया था। मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी की तलाश के दौरान मुखबिर से मिली सटीक सूचना पर 11 अक्टूबर 2026 को झारग चौकी पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी विट्ठल किरार (उम्र 59 वर्ष) को धर दबोचा।

आज इन क्षेत्रों में प्रभावित रहेगी बिजली सप्लाई

गुना। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के सहायक प्रबंधक ने जानकारी दी है कि गुना शहर के अंतर्गत 11 केवी कुशमौदा फीडर पर दीपावली पर्व से पूर्व ग्री-मानसून और आवश्यक मटेनेंस कार्य किया जाना है। इस कारण दिनांक 12 अक्टूबर 2026 को प्रातः 09:30 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक (कुल 4 घंटे) शहर के कई प्रमुख क्षेत्रों में बिजली की सप्लाई बंद रहेगी। प्रभावित होने वाले प्रमुख क्षेत्रों में विंध्याचल कॉलोनी, बलवंत नगर, विकास नगर, शुक्ला कॉलोनी, खेड़ापति कॉलोनी, एवन कॉलोनी, गुना कॉलोनी, महावीरपुरा, कस्तूरबा नगर, पोखवाल कॉलोनी एवं मारुति शोरूम के सामने वाला क्षेत्र शामिल है। विद्युत कंपनी ने बताया है कि मटेनेंस कार्य की आवश्यकतानुसार उक्त समयावधि को घटाया या बढ़ाया भी जा सकता है।

गुना के 30,743 हितग्राहियों के खातों में पहुंचे 1.84 करोड़ रुपए

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को नरसिंहपुर जिले से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से 'सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना' की राशि का अंतरण किया। इसके तहत प्रदेशभर के 35 लाख से अधिक पेंशन हितग्राहियों के खातों में कुल 213.41 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से सीधे भेजी गई। इस योजना के वर्युअल कार्यक्रम का सजीव प्रसारण गुना जिले के जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में भी दिखाया गया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से गुना जिले को प्राथमिकता देते हुए यहाँ के 30,743 हितग्राहियों के बैंक खातों में कुल 1,84,45,800



रुपये (एक करोड़ चौरासी लाख पैतालीस हजार आठ सौ रुपये) की पेंशन राशि सफलतापूर्वक अंतरित की। इस अवसर पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में स्थानीय कार्यक्रम के दौरान सामाजिक न्याय विभाग के उपसंचालक रिशु सुमन सहित अन्य विभागीय स्टाफ और बड़ी संख्या में स्थानीय हितग्राही उपस्थित रहे। पेंशन की राशि समय पर खातों में पहुंचने से जिले के वृद्धजनों, दिव्यांगों और पात्र हितग्राहियों में काफी प्रसन्नता का माहौल देखा गया।

धारा 138 के प्रकरण में स्थायी वारंटी गिरफ्तार

अशोकनगर। जिले में फरार आरोपियों एवं स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के कुशल, प्रभावी एवं दूरदर्शी निर्देशन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोकनगर अंतर सिंह कनेश एवं एसडीओपी अशोकनगर ओमप्रकाश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना देहात पुलिस ने धारा 138 अधिनियम के प्रकरण करते हुए आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। थाना देहात पुलिस ने कार्यवाही करते हुए दर्शन पिता हंसराज यादव, उम्र 47 वर्ष, निवासी बालाजी धाम कॉलोनी, अशोकनगर को गिरफ्तार किया।

पुलिस की नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई, अवैध गांजे की खेती का किया पदार्फाश

गुदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार एवं नशे की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश एवं एसडीओपी मुंगवली महेश शर्मा के मार्गदर्शन में थाना बहादुरपुर पुलिस को अवैध गांजे की खेती के विरुद्ध महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।



उत्खेदनीय है कि थाना बहादुरपुर को सूचना प्राप्त हुई कि जैसा के हार स्थित खेत में अवैध रूप से गांजे की खेती की जा रही है। सूचना पर थाना प्रभारी उपनिरीक्षक नीलम सिंह यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल

मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर खेत में मौजूद एक व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, जिससे पुलिस बल की सहायता से पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नवल कटारिया पुत्र गंगाराम कटारिया, उम्र 58 वर्ष, निवासी जैसा, जिला अशोकनगर बताया। खेत में लगे गांजे के पौधों के संबंध में पूछताछ करने पर उसने उन्हें अपना होना बताया। पुलिस

मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर खेत में मौजूद एक व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, जिससे पुलिस बल की सहायता से पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नवल कटारिया पुत्र गंगाराम कटारिया, उम्र 58 वर्ष, निवासी जैसा, जिला अशोकनगर बताया। खेत में लगे गांजे के पौधों के संबंध में पूछताछ करने पर उसने उन्हें अपना होना बताया। पुलिस

मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर खेत में मौजूद एक व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, जिससे पुलिस बल की सहायता से पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम नवल कटारिया पुत्र गंगाराम कटारिया, उम्र 58 वर्ष, निवासी जैसा, जिला अशोकनगर बताया। खेत में लगे गांजे के पौधों के संबंध में पूछताछ करने पर उसने उन्हें अपना होना बताया। पुलिस